सोशल मीडिया

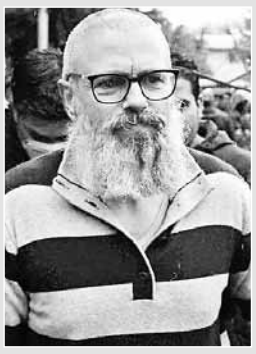

उमर अब्दुल्ला@
उमरअब्दुल्ला

ऐसे समय में महबूबा मुफ्ती और अन्य नेताओं की हिरासत जारी रखना निर्दयी और क्रूरता भरा फैसला है। जब मुल्क तीन हफ्ते के लॉकडाउन में प्रवेश कर रहा है। मुझे उम्मीद है कि प्रधानमंत्री और गृहमंत्री उन्हें रिहा कर देंगे।

राहुल गांधी@
राहुलगांधी

`पहली रणनीति कोरोना का जमकर मुकाबला करना है। संक्रमण रोकने के लिए एकांत में रहना है और बड़े पैमाने पर मरीज़ों की जांच करना है। शहरी इलाक़ों में विशाल आपातकालीन अस्थाई अस्पताल का तुरंत विस्तार करना है, आईसीयू की सुविधा उपलब्ध कराना है।

दिया मिर्जा@
दियामिर्जा

सरकार कर्फ्यू गाइडलाइंस को साफ करे, ताकि समाज के कमजोर वर्ग आने वाले दिनों के लिए चीजों को बेहतर तरीके से प्लान कर सकें। मैं सीएचएस में रहती हूं, जहां हमारे 80 प्रतिशत रेजिडेंट्स सीनियर सिटिजन है। कई अकेले रहते हैं। हमें उम्र और जरूरतों को देखते हुए सीनियर मेंबर्स का ध्यान रखने की जरूरत है।

ई-रिटेलर्स का आरोप-पुलिस हमलों के चलते खाने-पीने की चीजें हो रहीं बर्बाद

15,000 ली. दूध व 10,000 किलो सब्जी फेंकी गईं, कंपनियों ने की लॉकडाउन की स्थिति में सरकार से हस्तक्षेप की मांग

जेएनएन, नई दिल्ली

ई-कॉमर्स कंपनियां जो कि किराने का सामान, दवाइयां, खाने पीने की चीजें डिलीवर करती हैं, उनका आरोप है कि कथित तौर पर पुलिस द्वारा उन पर हमले किए जा रहे हैं और उन्हें परेशान किया जा रहा है। कोरोनावायरस लॉकडाउन की स्थिति में कंपनियों ने सरकार से आवश्यक हस्तक्षेप की मांग की है। ई-कॉमर्स कंपनियों का कहना है कि इस तरह रोके जाने और पुलिस प्रशासन द्वारा परेशान किए जाने से खाने-पीने की ताजा चीजों को फेंकना पड़ा और कई चीजों की बर्बादी हुई। बिग बास्केट, फ्रेम मैन्यू और पोरटी मेडिकल के प्रमोटर के. गणेश ने बताया कि पिछले कुछ दिनों से पुलिस द्वारा गाली-गलौज, मारपीट और यहां तक कि गिरफ्तारी भी की गई, जिससे कि उनका कामकाज प्रभावित हुआ। एक चैनल से बातचीत में गणेश ने बताया कि जहां तक कि सरकार के कोरोनावायरस को लेकर लॉकडाउन के फैसले की बात है, तो यह बिल्कुल सही फैसला है। हमारा काम आवश्यक सेवाओं में आता है। हम खाने पीने के सामान, दवाई जैसी चीजों की डिलीवरी करते हैं, लेकिन सरकार का जरूरी चीजों की डिलीवरी की अनुमति देने का निर्देश शायद जमीन तक पुलिस अधिकारियों या प्रशासन तक नहीं पहुंच सका है। गणेश ने कहा कि पुलिस वालों को यह नहीं मालूम है कि यह भी एक अनिवार्य सेवा है। कई मौके पर पुलिस वाले बहुत बुरा व्यवहार करते हैं। वह डिलीवरी करने वालों से मारपीट करते हैं। यहां तक कि हमारे हेल्थ वर्कर को गिरफ्तार कर लिया गया। गणेश ने कहा कि लोग अपनी जान जोखिम में डालकर काम कर रहे हैं, तो ऐसे में उनकी पिटाई ना करें। हालांकि चालान किया जा सकता है। अगर लोग डरकर सेवा करने से भाग जाएंगे तो हम काम कैसे करेंगे? जो लोग जरूरी सामान की डिलीवरी कर रहे हैं या सामान पहुंचा रहे हैं उनके साथ मारपीट नहीं की जानी चाहिए।

पुलिस को आम लोगों व डिलीवरी बॉय में अंतर नहीं मालूम क्या ?

ऑनलाइन ग्रॉसरी रिटेलर ग्रोफर्स और फ्रेश टू होम ने कहा कि इसी तरह का हस्तक्षेप का सामना उन्हें भी करना पड़ रहा है। पुलिस आम लोगों में और डिलीवरी करने वालों में फर्क नहीं समझ पा रही है। इस तरह के हस्तक्षेप की वजह से खाने-पीने के सामान की बर्बादी हुई है। ग्राहकों को संदेश देते हुए ग्रॉसरी और मिल्क डिलीवरी वेबसाइट मिल्क बास्केट ने बताया कि उनको मजबूरन 15,000 लीटर दूध फेंकना पड़ा और 10,000 किलो की सब्जी भी बर्बाद हुई। उन्होंने बताया कि वे गुड़गांव, नोएडा, हैदराबाद में दूध की डिलीवरी नहीं कर सकते।

डिलीवरी बॉय पर लाठीचार्ज

टेक अवे रेस्टोरेंट्स भी इसी तरह की समस्या का सामना कर रहे हैं। बेकिंग बैड के फाउंडर अरुण जायसवाल ने भी कुछ इसी तरह के आरोप पुलिस पर लगाए। जयसवाल ने कहा कि ईस्ट ऑफ कैलाश, दक्षिण दिल्ली में तो बाइक पर जा रहे डिलीवरी करने वालों को लाठीचार्ज तक का सामना करना पड़ा। नोएडा में फोन तक छीने जा रहे हैं और उनको प्रूफ दिखाना पड़ रहा है। कैप्टन ग्रब के करन नांबियार ने भी इन आरोपों को दोहराते हुए बताया कि नोएडा पुलिस ने हमको नहीं बताया कि हमें डिलीवर क्यों नहीं करने दिया जा रहा है। पुलिस को खुद कानून की जानकारी नहीं है। हमारे डिलीवरी बॉय स्वास्थ्य और वक्त को जोखिम में डालकर खाने पीने के सामान की डिलीवरी कर रहे हैं और जरूरतमंदों तक खाना पहुंचा रहे हैं।

आज जी-20 सम्मेलन में शिरकत करेंगे मोदी

वीडियो कांफ्रेंसिंग से होगी बातचीत

नई दिल्ली, जेएनएन। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को कोरोना वायरस पर जी-20 सम्मेलन में शिरकत करेंगे। कोरोना संक्रमण की वजह से इस बार ये सम्मेलन वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से हो रहा है। इसलिए इसे जी-20 वर्चुअल समिट नाम दिया गया है। इस बार जी-20 सम्मेलन के आयोजन का जिम्मा सऊदी अरब के पास है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को ट्वीट किया, कोविड-19 महामारी का सामना करने में जी-20 एक अहम रोल अदा करने वाला है।

कोरोना से मुकाबले के लिए एक्शन प्लान: प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वे कल इस मुद्दे पर प्रभावी और लाभकारी चर्चा की उम्मीद कर रहे हैं। जी-20 की इस बैठक में कोरोना वायरस के असर और इसके इलाज को लेकर व्यापक चर्चा होगी। जी-20 देश इस दौरान पैकेज की घोषणा कर सकते हैं। जी-20 सम्मेलन में 19 औद्योगिक देश और यूरोपियन यूनियन शिरकत कर रहे हैं। उम्मीद की जा रही है कि वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए होने जा रहे इस सम्मेलन में कोरोना से लड़ने के लिए एक एक्शन प्लान तैयार किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक ये वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग गुरुवार शाम को 5.30 बजे से लेकर शाम 7 बजे तक हो सकती है। कोरोना वायरस से इस वक्त 172 देश प्रभावित हैं। जॉन हॉपकिंस यूनिवर्सिटी के आंकड़ों के मुताबिक इस बीमारी से 4 लाख 38 हजार लोग संक्रमित हो चुके हैं, जबकि इस बीमारी से मरने वालों की संख्या साढ़े उन्नीस हजार पार कर चुकी है।

कोरोना पॉजिटिव नर्स ने किया सुसाइड

रोम, जेएनएन। महामारी बन चुके कोरोना वायरस का कहर पूरी दुनिया में देखने को मिल रहा है। इटली में इस खतरनाक वायरस से सबसे ज्यादा तांडव मचाया है। बुधवार तक यहां करीब सात हजार लोगों की जान इस महामारी ने ले ली है। इसी बीच इटली के अस्पताल में काम करने वाली एक नर्स ने कोरोना का टेस्ट पॉजिटिव आने के बाद आत्महत्या कर ली। डेली मेल में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, 34 वर्षीय नर्स को जब पता चला कि उसे कोरोना है तो वो बेहद तनाव में थी। उसे डर था कि कहीं उसकी वजह से दूसरे भी इस खतरनाक वायरस से संक्रमित नहीं हो जाएं। इसी वजह से उसने आत्महत्या कर ली।

काबुल में गुरुद्वारे पर फिदायीन हमला, 25 श्रद्धालुओं की मौत

150 श्रद्धालु थे गुरुद्वारे में, 80 लोगों को बचाया गया

काबुल, जेएनएन। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल के बीचोंबीच स्थित एक गुरुद्वारे पर भारी हथियारों से लैस आत्मघाती हमलावरों ने बुधवार को हमला कर दिया। इसमें कम से कम 25 व्यक्तियों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। यह अशांत देश में अल्पसंख्यकों पर अब तक हुए सबसे घातक हमलों में से एक है। अफगानिस्तान में पूर्व में सिखों को निशाना बनाने वाले आतंकी समूह इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने शोर बाजार इलाके स्थित गुरुद्वारे पर हुए इस हमले की जिम्मेदारी ली है। गुरुद्वारे पर यह हमला सुबह 07:45 बजे (स्थानीय समयानुसार) पर हुआ जब गुरुद्वारे के भीतर करीब 150 श्रद्धालु थे। टोलन्यूज ने गृह मंत्रालय के हवाले से कहा, काबुल स्थित सिख उपासना स्थल पर किए गए इस हमले में कम से कम 25 लोग मारे गए और आठ अन्य घायल हो गए। उसने एक ट्वीट में कहा, काबुल के पीडी-1 स्थित सिख उपासना क्षेत्र धर्मशाला पर हमला करने वाले सभी चार आत्मघाती हमलावर लगभग छह घंटे चली मुठभेड़ के बाद मारे गए। अफगान विशेष बलों ने इसकी पुष्टि की है। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि महिलाओं और बच्चों सहित 80 लोगों को गुरुद्वारे से निकाला गया। आतंकवादी समूह आईएसआईएस ने इस नवीनतम हमले की जिम्मेदारी ली, जिसने पूर्व में भी अफगानिस्तान में सिखों को निशाना बनाया है।

धार्मिक स्थलों पर हमला दुश्मन की कमजोरी

अफगानिस्तान के राष्ट्रपति अशरफ गनी ने गुरुद्वारे पर हमले की निंदा की। टोल न्यूज ने गनी के हवाले से कहा, धार्मिक स्थलों पर हमला दुश्मन की कमजोरी दिखाता है। धार्मिक स्थल हमलों और हिंसा के निशाने पर नहीं होने चाहिए। अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति हामिद करजई ने सिख उपासना स्थल पर किए गए इस हमले की कड़ी निंदा की और पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

आतंकी हमले से मन दुखी : मोदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आतंकी हमले पर दुख प्रकट करते हुए इस हमले में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की। मंत्री मोदी ने काबुल में गुरुद्वारे में हुए आतंकी हमले से मन काफी दुखी है।

कोरोना वायरस के हालात पर मोदी और पुतिन ने की बात

नई दिल्ली, जेएनएन। कोरोना वायरस से निपटने में दुनिया के बड़े-बड़े देश नाकाम साबित हो रहे हैं। वहीं, रूस ने अबतक इस बीमारी से जनहानि को रोकने में सफलता पाई है। द मॉस्को टाइम्स के अनुसार, रूस में कोरोना वायरस से अब तक एक व्यक्ति की मौत हुई है। रूस इस वायरस को कंट्रोल करने में कैसे सफल हो रहा है, शायद यही जानने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार शाम रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से फोन पर बात की। दोनों नेताओं के बीच, कोविड-19 के ताजा हालात पर चर्चा हुई। पुतिन ने भारत में कोविड-19 से निपटने की खातिर उठाए गए कदमों के लिए मोदी की सराहना की। दोनों नेताओं ने इस वैश्विक संकट की सभी चुनौतियों का सामना करने के लिए परस्पर सहयोग पर सहमति जताई। रूस में भारतीय नागरिकों और भारत में रूसी नागरिकों के स्वास्थ्य और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए गए कदमों को लेकर मोदी और पुतिन ने एक-दूसरे के प्रति आभार जताया। प्रधानमंत्री ने रूस में महामारी से मौत पर संवेदना जताई। जो लोग ठीक हो चुके हैं, उनपर खुशी जाहिर करते हुए पीएम मोदी ने उम्मीद जताई कि रूस इस बीमारी से लड़ाई जीतेगा।

30 हजार से कम सैलरी वालों को महीने में 2 बार पगार देगी रिलायंस

नई दिल्ली, जेएनएन। कोरोना के बढ़ते मामलों के कारण देशभर में लॉकडाउन कर दिया गया है। इसे देखते हुए रिलायंस इंडस्ट्रीज ने कई बड़े ऐलान किए हैं, जिसमें एक उसके ऐसे कर्मचारियों से जुड़ा है, जिनकी सैलरी 30 हजार रुपए से कम है। आरआईएल ने कहा है, 30 हजार रुपए से कम वेतन पाने वाले कर्मचारियों को वह महीने में दो बार में वेतन देगी। कंपनी ने एक बयान जारी कर कहा कि कम सैलरी वालों के कैशफ्लो को बचाने और किसी फाइनेंशियल बर्डन कम करने के लिए कंपनी यह फैसला कर रही है। ऐसा करने से महीने के बीच में उसके कर्मचारियों को नकदी की किल्लत का सामना नहीं करना पड़ेगा। अगर कोई इमरजेंसी आती है, तो कर्मी के पास पैसे होंगे, ताकि वह खर्च कर सके। कंपनी ने कहा कि रिलांयस परिवार के 600000 सदस्य कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में पूरी तरह से तैनात हैं। रिलायंस फाउंडेशन ने बीएमसी के साथ एक 100 बेड का अस्पताल दिया, जो सिर्फ कोविड-19 मरीजों के लिए है। रिलायंस ने हाल में कहा था कि लॉकडाउन की वजह से जो ठेके पर काम करने वाले और टेंपररी कर्मचारी काम पर नहीं जा पा रहे हैं उनकी सैलरी जारी रखी जाएगी। इसके अलावा कंपनी ने रोटेशन ड्यूटी और वर्क फ्रॉम होम की सुविधा भी दी थी।

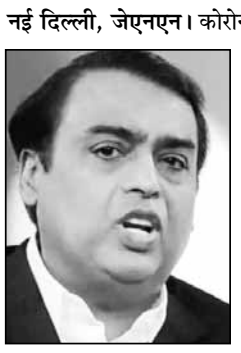

रोज 9 गरीब परिवारों की मदद करें अच्छा नवरात्र हो जाएगा: पीएम मोदी

अपने आस-पास के पशुओं का भी ध्यान रखें

नई दिल्ली, जेएनएन। पीएम मोदी ने संसदीय क्षेत्र वाराणसी की जनता को वीडियो कांफ्रेंसिंग से शाम पांच बजे संबोधित करते हुए कोरोना का जवाब करुणा से देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सामर्थ्यवान लोग अगले 21 दिनों तक प्रतिदिन नौ गरीबों की मदद करने का प्रण लें तो अच्छा नवरात्र हो जाएगा। मोदी ने यह बातें लॉकडाउन के कारण गरीबों के सामने आईं मुश्किलों के सवाल पर कहीं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि हम गरीबों और जरूरतमंदों के प्रति करुणा दिखाकर भी कोरोना को पराजित करने का एक कदम उठा सकते हैं। इसके अलावा आपके आसपास जो पशु हैं, उनकी भी चिंता करनी है। मेरी लोगों से प्रार्थना है कि अपने आस-पास के पशुओं का भी ध्यान रखें।

लॉकडाउन को सफल बनाएगी बाल सेना: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 21 दिनों के लॉकडाउन को सफल बनाने के लिए देश के बच्चों से अपील की है। पीएम ने वीडियो ट्वीट कर कहा है, मुझे अपनी 'बाल सेना' पर पूरा विश्वास है। वे इस बात को सुनिश्चित करेंगे कि लोग अपने घरों में रहें, ताकि कोविड-19 के खिलाफ भारत प्रभावी तरीके से लड़ सके। वीडियो में दिखाया गया है कि एक शख्स फोन पर बात करते हुए सोफे से उठता है और बाहर जाने के लिए कार की चाबी उठाता है। इसपर वहां मौजूद उसकी बेटी उसके हाथ से चाबी ले लेती है और पिता को दोबारा से सोफे पर बिठा देती है। बच्ची कहती है पापा घर पर रहें, क्योंकि 21 दिनों का लॉकडाउन है।

मोदी बोले- आपने तो मेरी तरह पोस्टर दिखा दिया

वाराणसी की क्रिएटिव आर्टिस्ट अंकिता खत्री ने पोस्टर दिखाकर मोदी को अपने कैंपेन के बारे में बताया। पोस्टर देख पीएम मोदी भी हंस पड़े और कहा कि आपने मेरी ही तरह पोस्टर दिखा दिया। दरअसल, मोदी ने लॉकडाउन की घोषणा करते वक्त एक पोस्टर दिखाया था। इस पोस्टर में लिखा था, को-कोई, रो- रोड पर, ना- ना निकले। वाराणसी से अंकिता ने बताया कि गृहिणी होने के साथ-साथ विभिन्न रचनात्मक कार्यों में भी सक्रिय हैं। इन दिनों अंकिता #KuchCreativeKaroNa के साथ एक कैंपेन चला रहा हैं। जब अंकिता ने इसी से जुड़ा एक पोस्टर दिखाया तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी हंस पड़े और कहा कि अच्छा आपने भी मेरी तरह पोस्टर दिखा दिया। अंकिता ने बताया कि इस कैंपेन के तहत वह वाराणसी के रचनाकारों और कलाकारों को जोड़ रही हैं। इसपर हंसते हुए पीएम मोदी ने कहा, आपने कहा आप सब रचनाकारों को इकट्ठा कर रही हैं। मेरी विनती है कि किसी को इकट्ठा मत करो। सोशल डिस्टेंसिंग सबसे पहली बात है। आप ऑनलाइन संकलन कीजिए। ये रचनाएं जरूर देश को काम आएंगी।

मशहूर एक्ट्रेस निम्मी का 87 वर्ष की उम्र में निधन

नई दिल्ली, जेएनएन। अपने जमाने की मशहूर ऐक्ट्रेस निम्मी का बुधवार की शाम निधन हो गया। वह 87 वर्ष की थीं और लंबे वक्त से बीमार चल रही थीं। वह बढ़ती उम्र की कई समस्याओं से पीड़ित थीं और काफी महीनों से वीलचेयर पर थीं। उन्होंने सांताक्रूज के एक प्राइवेट हॉस्पिटल में अपनी अंतिम सांस ली। निम्मी का अंतिम संस्कार गुरुवार यानी 26 मार्च को होगा।

बता दें, निम्मी का 50 और 60 के शुरुआती दशक में जबरदस्त स्टारडम था। उन्होंने बरसात से अपना फिल्मी डेब्यू किया और लोगों का दिल जीत लिया। इसके बाद उन्होंने अमर, दाग, दीदार, बसंत बहार, मेरे महबूब, कुंदन जैसी फिल्मों में काम किया। निम्मी को उड़न खटोला, आन, भाई-भाई, मेरे महबूब और पूजा के फूल में निभाए गए उनके किरदारों के लिए याद किया जाता है। उनका असली नाम नवाब बानो था।

प्रथम पृष्ठ के शेष

कोरोना की मार...

उसी दिन मरीज को माधव नगर अस्पताल शिफ्ट कर दिया गया, जहां इलाज के दौरान मरीज में कोरोना के लक्षण पाए जाने पर उन्हें एमजीएम कॉलेज, इंदौर शिफ्ट कर दिया गया था। आज इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। राबिया बी न तो विदेश गई थीं और न ही उनके किसी परिजन की विदेश यात्रा की कोई हिस्ट्री है। उनके परिवार में 12 लोग हैं, जिनमें से 11 लोगों को भी जांच के लिए ले जाया गया है, जबकि एक व्यक्ति घर से भाग गया है। स्वास्थ्य विभाग को चिंता है कि अगर वह दूसरों के संपर्क में आया, तो संक्रमण फैलने का खतरा है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

जबलपुर में मरीजों को स्वास्थ्य में सुधार: प्रदेश में बुधवार तक कोरोना पॉजिटिव मरीजों की संख्या बढ़कर 17 हो गई है। जबलपुर में 6, इंदौर में 7, भोपाल में 2 और ग्वालियर व शिवपुरी में 1-1 मरीज मिले हैं। जबलपुर में इलाज के बाद एक मरीज को छोड़कर बाकी 5 कोरोना पीड़ितों के स्वास्थ्य में काफी सुधार है।

25 राज्यों में कोरोना...

सामने आए हैं, जबकि केरल (109) दूसरे नंबर पर है। इसी बीच, गृह मंत्रालय ने कोरोना की वजह से 2021 की जनगणना का पहला चरण स्थगित कर दिया है। राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) अपडेशन भी फिलहाल टाल दिया गया है। बुधवार को गृह मंत्रालय ने कहा कि लॉकडाउन के दौरान नियम तोड़ने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसमें एक से दो साल की जेल के अलावा कुछ मामलों में जुर्माने का भी प्रावधान किया गया है। इस बीच दिल्ली में भी कोरोना के मामले तेजी से बढ़ने लगे हैं। राज्य के सीएम अरविंद केजरीवाल ने बताया कि दिल्ली में पिछले 24 घंटे में पांच नए मामलों का पता चला है।

दिल्ली में पांच नए मामले, अब 35 संक्रमित: बुधवार को दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने बताया कि राज्य में पिछले 24 घंटे में संक्रमण के पांच नए मामले सामने आए हैं। इनमें से केवल एक व्यक्ति विदेश से लौटा है। चार कैसे संक्रमित हुए, इसका पता लगाया जा रहा है। अब तक दिल्ली में 35 लोग संक्रमित हो चुके हैं।

सेना मुख्यालय में तालाबंदी: दिल्ली स्थिति सेना मुख्यालय को भी कोरोना लॉकडाउन के कारण बुधवार को बंद कर दिया गया है। सूत्रों के अनुसार, गुरुवार सुबह से ऑपरेशनल जरूरतों को पूरा करने के लिए केवल 5-10 प्रतिशत स्टाफ ही काम करेगा। शेष स्टाफ को घर भेज दिया गया है। हालांकि, उन्हें बुलाए जाने पर आफिस में हाजिर होने का निर्देश दिया गया है। सूत्रों ने बताया कि यह निर्णय मंगलवार को प्रधानमंत्री द्वारा घोषित किए गए 21 दिन के लॉकडाउन को समर्थन देने के लिए लिया गया है।

सचिन गुस्सा....

उन्होंने कहा, यह बिल्कल गलत है। समय की गंभीरता समझिए और अपने घरों में ही रहिए। बीते 10 दिन से मैं भी अपने परिवार के साथ घर पर ही हूं और अगले 21 दिन भी घर पर ही रहूंगा। इस दौरान न मैं और मेरा परिवार किसी दोस्त से मिला है और न मिलेगा। आप भी समझिए। अगर कोरोना का यह वायरस आग है तो आप कम से कम उसे और भड़काने वाली आग मत बनिए। **सचिन ने लिखा**- ''प्रधानमंत्री मोदी ने 21 दिन के लिए घर में सुरक्षित रहने की अपील की है। यह लाखों लोगों की जिंदगी बचाने का सबसे अच्छा उपाय है। आओ हम सब इस कोरोनावायरस के खिलाफ लड़ाई में एकजुट हों।''

खुद कैंसल न करें टिकट...

आईआरसीटीसी प्रवक्ता सिद्धार्थ सिंह ने कहा कि रेलवे द्वारा परिचालित पैसेंजर ट्रेनों की सेवा बंद करने के बाद ई-टिकट खरीदने वाले यात्रियों को टिकट का रिफंड स्वतः मिल जाएगा। यदि यात्री टिकट रद्द कराएंगे, तो उन्हें नुकसान हो सकता है।

1.5 लाख करोड़ ...

को लेकर बातचीत जारी है। इस सप्ताह के अंत तक इसकी घोषणा हो सकती है। उन्होंने कहा कि इन पैसों का इस्तेमाल 10 करोड़ जनता के एकाउंट में पैसे सीधे ट्रांसफर करने और लॉकडाउन से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए बिजनस की मदद करने के लिए किया जा सकता है। दोनों सूत्रों ने बताया कि सरकार वित्त वर्ष 2020-21 के लिए कर्ज में इजाफा कर सकती है। सरकार ने आगामी वित्त वर्ष के लिए 7.8 लाख करोड़ का कर्ज लेने की योजना बनाई है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक से सरकारी प्रतिभूतियों को खरीदने के लिए कहा गया था, हालांकि महंगाई बढ़ने के डर से पिछले एक दशक से आरबीआई ने ऐसा नहीं किया है। अधिकारी ने कहा, आरबीआई को दुनिया के अन्य केंद्रीय बैंकों की तरह ही बॉन्ड खरीदना पड़ेगा।

प्रियंका ने डब्ल्यूएचओ के डॉक्टर्स से पूछा- क्या कोरोनावायरस हवा के जरिए फैलता है?

नई दिल्ली, जेएनएन। एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा ने कोरोनावायरस को लेकर लोगों को भ्रमों को तोड़ने की कोशिश की है। प्रियंका पति निक जोनास के साथ डब्ल्यूएचओ के डॉक्टर्स के साथ इंस्टाग्राम लाइव पर आईं। इस दौरान प्रियंका ने डॉक्टर्स डॉ. टेडरोस और डॉ. मारिया वेन करखोव से पूछा कि क्या यह वायरस हवा के जरिए फैलता है। इस पर डॉक्टरों ने कहा, नहीं यह वायरस हवा से नहीं फैलता, बल्कि अगर खांसते या छींकते वक्त आपके मुंह या नाक से जो पानी की छींटे निकलते हैं, उससे वायरस फैलता है। कोरोनावायरस खाने से भी नहीं फैलता।

एंकर स्टोरी मैसाचुसेट्स इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी की रिपोर्ट्स, कोरोना वायरस से जग लड़ने के लिए तीन तरीके होंगे कारगार

कोरोना की संक्रमण दर को लॉकडाउन से किया जा सकता है धीमा

नई दिल्ली, जेएनएन। कोरोना से जुड़ी मैसाचुसेट्स इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नॉलजी (एमआईटी) की ताजा रिपोर्ट्स के अनुसार, भले ही अभी तक कोरोना वायरस के लिए कोई वैक्सीन या कारगर इलाज नहीं खोजा जा सका है। लेकिन पूरी दुनिया में इस वायरस से लड़ने के लिए तीन तरीके ही मुख्य रूप से असरकारी देखे जा रहे हैं। इन तीन तरीकों के बारें में जानते हैं।

संक्रमण की रफ्तार धीमी करना

कोरोना वायरस से निजात पाने के जो सबसे कारगर तरीके अभी तक सामने आए हैं, उनमें पहला तरीका है लॉकडाउन। इसके जरिए इस वायरस का संक्रमण रोका जा सकता है। जैसे कि हमारे देश में पूरी तरह कर्फ्यू लगा दिया गया है। इसके साथ ही अग्रेसिव टेस्टिंग भी एक तरीका है। ताकि ट्रांसमिशन को पूरे तरीके से रोका जा सके। क्योंकि यह वायरस पूरे विश्व में फैल चुका है, इसलिए लॉकडाउन की स्ट्रेटजी कारगर साबित होने के चांस बहुत कम हो गए हैं। एक्सपर्ट्स का मानना है कि अब लॉकडाउन से केवल कोरोना की संक्रमण दर को धीमा किया जा सकता है, जिससे स्वास्थ्य सुविधाओं की उचित व्यवस्था की जा सके।

आखिर ये हर्ड इम्युनिटी क्या है?

कोरोना से पूरी तरह निजात पाने के लिए वैक्सीन बनाने और इसे आम लोगों तक पहुंचने में करीब 1 से डेढ़ साल लग सकता है। वैक्सीन संक्रमण से लड़ने के लिए हर्ड इम्युनिटी बनाती है। अब आपके मन में यह सवाल आना जायज है कि आखिर ये हर्ड इम्युनिटी क्या है?

तीसरा और प्राकृतिक तरीका

तीसरा तरीका यह है कि अगर वायरस का संक्रमण लगातार होता रहता है तो बड़ी संख्या में लोग इसकी चपेट में आ जाते हैं। इस दौरान कई लोग अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता के बल पर इस संक्रमण को हरा देते हैं, इन्हें संक्रमण के प्रति इम्यून होना कहा जाता है। जब इम्यून लोगों की संख्या बहुत अधिक बढ़ जाती है, तो वायरस अपना संक्रमण नहीं फैला पाता।

एक साल में कोरोना का प्रकोप

अगर कोरोना वायरस को ना रोका जाए तो अनुमान के मुताबिक, यह वायरस एक साल के अंदर दुनिया की 60 प्रतिशत आबादी को संक्रमित कर देगा। इस स्थिति में इंसानों के अंदर खुद-ब-खुद हर्ड इम्युनिटी आ जाएगी, जो इस संक्रमण के फैलाव को रोक देगी। लेकिन इस दौरान मानव जाति को बड़े स्तर पर हानि होगी। यही वजह है कि दुनियाभर में कई देशों में लॉकडाउन या कर्फ्यू लगा दिया गया है।

कोरोना वायरस का रिप्रोडक्शन नंबर

कोरोना वायरस का रिप्रोडक्शन नंबर यानी R0 (इसे R-Naught पढ़ा जाता है) 2 और 2.5 के बीच है। इसका मतलब यह हुआ कि इस संक्रमण से ग्रसित हर व्यक्ति दो से ज्यादा लोगों को इंफेक्शन फैलाता है। इस स्थिति में हर्ड इम्युनिटी कोरोना के फैलाव को रोक सकती है।

रिप्रोडक्शन नंबर 2 से घटकर 1

जिस तरह कोरोना 1 से 2, 2 से 4, 4 से 8 और 8 से 16 लोगों को संक्रमित कर रहा है। लेकिन अगर दुनिया की 50 प्रतिशत जनसंख्या इम्यून हो जाए तो यह इंफेक्शन एक व्यक्ति से एक में ही जाएगा। इस स्थिति में कोरोना वायरस का रिप्रोडक्शन नंबर 2 से घटकर 1 रह जाएगा।

इस स्थिति में मर जाएगा कोरोना

अगर यह R0 एक से भी कम हो जाए तो कोरोना वायरस का आउटब्रेक खुद-ब-खुद खत्म हो जाएगा। इसी वजह से अगर दुनिया की 60 प्रतिशत आबादी इम्यून हो जाए तो यह वायरस धीरे-धीरे खुद ही खत्म हो जाएगा।

अग्रेसिव सप्रेश के कारण और प्रभाव

दुनियाभर में अग्रेसिव सप्रेशन, जिसे हम लॉक-डाउन या कर्फ्यू कहते हैं, कोरोना के बढ़ते संक्रमण को रोकने की एक विधि बन गई है। इस टेक्टिक में बीमार लोगों को आइसोलेट किया जाता है और सोशल कॉन्टेक्ट को लगभग बंद कर दिया जाता है।